गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
अ.प्रा. राजपत्रित अधिकारी
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की-247667 (उत्तराखण्ड)
मोबाइल : 09760111555

ऋण मुक्ति के सरलतम उपाय

उपाय 1

दरिद्रता से कहीं बड़ा अभिशाप है ऋणी होना। ऋण का भार व्यक्ति को चैन से नहीं बैठने देता। हर सम्भव यहीं प्रयास करें कि इससे बचें। यदि देव संयोग से यह विषम स्थिति बन ही गयी है तो भी हताश कदापि न हों। प्रभु में आस्था रखते हुए एक सरल सा उपाय अवश्य कर देखें। पता नहीं किस उपक्रम से आपको कहॉ लाभ मिल जाए।

उपाय के लिए शुक्ल पक्ष के किसी मंगल का दिन और मंगल की होरा चुनें। एक लाल अथवा नारंगी रंग की ड्राइंगशीट में से 4” x 4” का एक पेपर काट लें तथा रक्त चंदन और रोली की स्याही तथा अनार की कलम से यंत्र निम्न चित्रानुसार

सफाई से बना लें। यंत्र में दी गयी 148 की संख्या अपने विशेष महत्व रखती है। यह आकाश मंडल के ग्रह-नक्षत्रों के आधार पर निर्धारित की गयी है।

१४८	१८४	४१८
८१४	८४१	४८१

ऋण मुक्ति यंत्र

गणपति जी के किसी भव्य रुप का ध्यान करते हुए उनकी धूप, दीप तथा रक्त पुष्प से यथा श्रद्धा पूजा-अर्चना करें। सुविधा हो तो गणपति जी की कोई मूर्ति रखकर उसके सामने यह उपाय करें। गणपति जी पर गिनकर ठीक 148 दूब घास के टुकड़े चढ़ाएं। अन्त में यंत्र भी गणपति जी के चरणों में अर्पित करके एक माला **"श्री गजानन, जय गजानन"** जपें।

अपनी पूजा की समाप्ति के बाद यंत्र को मोड़कर तांबे के ताबीज में बन्द कर लें। तांबे का ताबीज न हो तो लाल कपड़े में लपेट लें और सदा इसे अपने साथ रखा करें। नित्य उक्त मंत्र की एक माला जपकर देव से ऋण की मुक्ति की प्रार्थना किया करें। कुछ ही दिनों में आपको अच्छा लगने लगेगा।

निष्ठावान् व्यापारी वर्ग भी इस उपाय को करके धनलाभ उठा सकता है।

उपाय 2

शिवागमसार में बटुक भैरव जी को प्रसन्न करने के विस्तार से उपक्रम दिए हैं। धनदायक उपायों में भैरव जी का एक सरल-सा उपाय यहॉ लिख रहा हॅू। शनिवार के दिन भैरव जी की मूर्ति पर सिंदूर को तेल में मिलाकर चढ़ाने से अनेक सुखों की प्राप्ति होती है। ऋण से मुक्ति के लिए एक सरल-सा उपाय आप भी परखकर देखें।

शनिवार के दिन अपनी लम्बाई के बराबर 21 कच्चे सूत की बत्तियॉ बना लें किसी भी भैरव जी के सिद्ध मंदिर में 21 तेल के दीपकों में यह बत्तियां जलाकर भैरव जी के दाहिने हाथ की तरफ रखकर उनके सम्मुख काले रंग के आसन पर बैठ जाएँ। देव से ऋण मुक्ति की प्रार्थना कर, रोकर तथा दीन-हीन बनकर निम्न 8 नाम आठ-आठ बार बोलकर अपना इष्ट कार्य बारम्बार दोहराएं।

1. चण्ड, 2. प्रचण्ड, 3. ऊर्ध्व केश, 4. भीषण, 5. अभीषण, 6. व्योमकेश, 7. व्योमबाहु, 8. व्योम व्यापक।

पूजा काल में दीपक निरन्तर जलता रहे, इसका भी ध्यान रखें। आठ नाम बोलकर निम्न मंत्र की एक माला श्रद्धा से जप करें -

"ॐ ह्रीं बटुकाय आपदुद्धारण कुरु कुरु बटुकाय ह्रीं ॐ स्वाहा"

जब स्वाहा बोलें तब भैरो जी पर सिंदूर मिश्रित तेल की एक बूँद अर्पित करें।

पूजा की समाप्ति पर भी यदि दीपक जल रहें हों तो उन्हें पूरी तरह से जल जाने दें। इस बीच निरन्तर **"ॐ श्री बटुक भैरवाय नमः"** मंत्र जपते रहें। दीपकों के शान्त होने के बाद उन्हें कहीं जल में विसर्जित कर दें। कुछ सैकण्ड बाद जल में थोड़ी-सी स्प्रिट, शराब आदि कुछ छोड़ दें और निःशब्द घर लौट आएं।

यह उपाय मात्र 1 शनिवार को ही करना है। यदि प्रभाव में कहीं अल्पता लगे तो एक शनिवार छोड़कर अगले को यह उपाय पुनः दोहरा लें। शराब को जल में विसर्जित करने से पूर्व गुड़ तथा तिल का एक बकरा बनाएं (जैसा भी टेड़ा-मेढ़ा, छोटा-बड़ा बन सके) दूब घास से उसका गला धड़ से अलग कर दें और देव को बलि स्वरुप जल में अर्पित कर दें।

3. प्रत्येक व्यापारी के लिए शनि ग्रह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसे नैसर्गिक रूप से पापी तथा दुष्टग्रह माना गया है। यह व्यक्ति को राजा से रंक बना देता है। परन्तु

यदि इसकी कृपा दृष्टि हो जाए, यदि यह सीधी दृष्टि कर दे तो कुबेर सम धन देता है (इसकी दृष्टि टेड़ी मानी गयी है) इस ग्रह के इष्टदेव हनुमान जी हैं। इसीलिए शनि को मनाने के लिए इनकी पूजा-अर्चना सर्वविदित है ही।

व्यापार में कर्मचारी यदि चोरी कर रहे हैं, अकस्मात् चलते हुए व्यापार में घाटा होना प्रारम्भ हो गया है अथवा ऋण अपनी तीव्र गति से बढ़ने लगता है तो एक बार ये उपाय अवश्य अपनाएं, हनुमान जी अवश्य रक्षा करेंगे।

उपाय के लिए ऐसा दिन चुनें जब शनिवार के दिन अमावस्या हो। इस दिन शनि की होरा में प्रातःकाल किसी सघन पीपल अथवा बड़ के वृक्ष के उत्तर दिशा में से एक अखण्डित पत्ती तोड़कर घर ले आएं। इस पत्ती पर दूब घास से तथा नागकेसर की स्याही से **'शान्तिरस्तु, पुष्टिरस्तु, तुष्टिरस्तु'** अंकित करके यथा-श्रद्धा इसकी पूजा करके इस पर एक तांबे का सिक्का रख दें। सिक्का रखे हुए यह पत्ता सावधानी से अपने किसी धार्मिक ग्रंथ जैसे गीता, रामायण आदि में कहीं रख दें। अगले पड़ने वाले शनिवार को पुनः एक नया पत्ता तोड़कर लाएँ। इसकी पूर्व की भॉति पूजा-अर्चना करके पहले वाला सिक्का इस पर रखकर यह पत्ता उसी ग्रंथ में कहीं बीच में रख दें। पहले रखा हुआ पुराना पत्ता कहीं बाहर पवित्र स्थान में छोड़ दें। 11 शनिवार यह प्रक्रिया करतें रहें। अर्थात नया पत्ता लाएं उस पर पुराने वाला सिक्का रखें तथा ग्रंथ में कही रख दें। इन 11 शनिवार को हनुमान जी के मंदिर में सांयकाल उड़द की दाल से बनी कोई सामग्री प्रसाद में चढ़ाएं। यह प्रसाद अन्य में वितरित करके स्वयं भी ग्रहण करें। ग्यारहवें शनिवार को पूर्व की भांति पूजा करने के बाद पत्ता तो कहीं विसर्जित कर दें तथा सिक्का अपने निवास स्थल अथवा कार्य स्थल के मुख्य द्वार की चौखट पर कील से ठोक दें। यदि द्वार में चौखट नहीं है तो वहॉ नीचे कहीं दबा दें अथवा द्वार में ही ठोक दें। तदन्तर में शनिवार को शनि मंदिर में उड़द की दाल का प्रसाद चढ़ाने का नियम बना

लें। आपके धन-सम्बन्धी कार्य पुनः सफल होने लगेंगे। दारिद्रय दूर होगा तथा ऋण से मुक्ति मिलने लगेगी।

पीपल तथा बरगद की पत्तियों पर देवताओं का (भगवान विष्णु का शयन) वास माना गया है। इसलिए इन पर अथवा इनके घटकों पर किए गए उपक्रम सदैव फलदायी सिद्ध होते हैं। आवश्यकता मात्र संयम, विश्वास और सात्विक बनने की है।

<u>उपाय 4</u>

सरलतम उपयों की पुस्तकों में मैंने अनेक ऐसे ही छोट-छोटे अनेक उपाय दिए हैं जो हर पीड़ित व्यक्ति अपनी सुविधानुसार कभी भी कर सकता है।

प्रायः देखा गया है कि जो हनुमान जी की आराधाना-साधना करते हैं उनको क्रोध अधिक आने लगता है और वह अपना संयम खो देते हैं। वहीं यदि वह अन्य उपाय भी जोड़ लेते हैं तो ऋण से मुक्ति के अनेक मार्ग उनके सामने प्रशस्त होने लगते हैं। आप बजरंग बांण, हनुमान चालीसा, हनुमान अष्टक, हनुमान बाहुक आदि जो कुछ भी कर रहे हैं, अन्त में एक माला सीता राम की अवश्य जप लिया करें। मंगल तथा शनिवार को नियम बना लें कि प्रसाद स्वरुप देव को उड़द की दाल से बना भोज्य पदार्थ अवश्य अर्पित किया करें। इन दिनों यदि पश्चिम की ओर मुॅह करके बाएॅ हाथ से भोजन भी कर लिया करें तो ऋण के दानव से आपका शीघ्र ही छुटकारा होने लगेगा।

गोपाल राजू (वैज्ञानिक)

(राजपत्रित अधिकारी) अ.प्रा.

ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र

30, सिविल लाईन्स

रूड़की 247667 (उ.ख.)

फोन : (01332) 274370

मोः 09760111555

website : www.astrotantra4u.com

E-mail:gopalraju12@yahoo.com